गन्ने पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मचा घमासान, सड़क पर आई लड़ाई

मेरठ कमिश्नरी पर आत्मदाह का प्रयास

अमर उजाला ब्यूरो

मेरठ। चीनी मिलें न चलने और किसानों का बकाया भुगतान न होने से वेस्ट यूपी में घमासान मच गया है। शनिवार को कमिश्नरी पर भाजपा किसान मोर्चा के जिला कार्यकारिणी सदस्य ने आत्मदाह का प्रयास किया। पुलिस ने बड़ी मशक्कत से उसे बचाया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई। बाद में कमिश्नर ने भाजपा नेताओं के साथ वार्ता में कार्रवाई और उनकी बात सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। भाजपा किसान मोर्चा का गन्ना भवन पर पहले से ही बेमियादी धरना चल रहा है।

कोई हल निकलता न देख भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी और किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विजयपाल तोमर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कमिश्नरी की ओर कूच किया। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही कमिश्नरी को छावनी में तब्दील कर दिया।

भाजपा ने किया प्रदर्शन, पुलिस से भी हुई झड़प; गन्ना भवन पर भी बेमियादी धरना

रालोद का चक्का जाम आज

मेरठ। रालोद ने गन्ना आंदोलन के तहत रविवार को चक्का जाम का ऐलान किया है। वेस्ट यूपी प्रभारी सतबीर त्यागी ने बताया कि पश्चिम के सभी गन्ना बहुल जनपदों में दोपहर 12 से अपराह्न 3 बजे तक चक्का जाम होगा। इससे सभी आपातकालीन सेवाओं और रेल यातायात को मुक्त रखा गया है।

मुरादाबाद में चीनी मिल चलवाने के लिए अर्द्ध नग्न होकर जुलूस निकालते किसान।

एक हजार बेटियों की शादियां रुकीं

मुरादाबाद (ब्यूरो)। प्रदेश के बेबस गन्ना किसानों के परिवारों की इन दिनों आंखें नम हैं। समय से चीनी मिलें चालू न होने से किसानों की बेटियों की शादी टल गई है। पश्चिमी यूपी में ही करीब दो सौ शादियां स्थगित हुई हैं और पूरे प्रदेश में करीब एक हजार विवाह टलने का अनुमान है।

यूपी सरकार सख्त, नौ चीनी मिलों की आरसी जारी

लखनऊ (ब्यूरो)। लंबे समय तक लचीला रुख अपनाने के बाद प्रदेश सरकार ने आखिरकार सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। शनिवार को शुगर इंडस्ट्री के बड़े प्लेयर्स पर निशाना साधते हुए नौ चीनी मिलों की आरसी जारी कर दी गई। प्रमुख सचिव चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास राहुल भटनागर ने बताया कि इन मिलों पर ब्याज समेत गन्ना मूल्य वसूली के लिए रिकवरी सर्टिफिकेट जारी किया गया है। जिलाधिकारियों को उनके खिलाफ वसूली कार्रवाई को तुरंत अमल में लाने के निर्देश दिए गए हैं। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में राहुल भटनागर ने बताया कि प्रदेश की 16 निजी चीनी मिलों और 23 सहकारी मिलों ने पिछले पेराई सत्र का पूर्ण गन्ना मूल्य भुगतान कर दिया है। 80 निजी चीनी मिलों पर 2320 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य बकाया है। पहले चरण में बकाया भुगतान न देने वाली नौ निजी मिलों की आरसी जारी की गई हैं। इनमें बजाज ग्रुप की किनौनी (मेरठ) और कुंदरकी (गोंडा), विवेक सरावगी के बलरामपुर ग्रुप की बलरामपुर और गुलरिया (लखीमपुर खीरी), सीएस नोपानी के बिड़ला ग्रुप की स्योहारा (बिजनौर), तरुण साहनी के त्रिवेणी ग्रुप की खतौली (मुजफ्फरनगर), अजीत श्रीराम के डीएससीएल ग्रुप की अजबापुर (लखीमपुर खीरी), राजकुमार अदलखा के उत्तम ग्रुप की शेरामऊ (सहारनपुर) और गौतम डालमिया के डालमिया ग्रुप की निगोही (शाहजहांपुर) मिलें शामिल हैं।

रोज हो रही बेइज्जती, फिर क्यों न मरूं :

आत्मदाह का प्रयास करने वाले सतेंद्र त्यागी ने शुक्रवार को अपनी 10 बीघा गन्ने की फसल में आग लगा दी। सतेंद्र ने बताया कि उसके ऊपर बाजार का कर्ज है। बिजली का 20 हजार का बिल और बैंक का 30 हजार रुपये का लोन बकाया है। बहन की शादी कर्ज लेकर की थी। कर्जदार रोज दरवाजे पर आकर बेइज्जती कर रहे हैं। ऐसे में अब मरने के अलावा क्या विकल्प है?

अमर उजाला

1/12/13